दैनिक भास्कर

19.09.2022

बेसिक साइंस का ट्रेंड लौट रहा, भविष्य में इसकी डिमांड बढ़ेगी, नौकरी भी ज्यादा

एजुकेशन रिपोर्टर | रायपुर

उच्च शिक्षा में बेसिक साइंस जैसे, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स का ट्रेंड फिर से लौट रहा है। राज्य बनने के समय इंजीनियरिंग की पढ़ाई को ही सबसे बेहतर माना जाता था। इस वजह से देखते ही देखते दर्जनों नए कॉलेज खुल गए। आठ साल पहले ट्रेंड बदला और बीएड की मांग बढ़ी। राज्यभर में बड़ी संख्या में बीएड के नए कॉलेज खुल गए। कोरोनाकाल में और इसके बाद नर्सिंग, फार्मेसी में छात्रों की दिलचस्पी बढ़ गई। यही वजह है कि नर्सिंग के भी नए कॉलेज खुल गए। लेकिन अब बेसिक साइंस छात्रों को बेहद पसंद आ रहा है। आने वाले समय में इसकी डिमांड और बढ़ेगी।

भास्कर एक्सपर्ट | डॉ. केएल वर्मा, कुलपति रविवि

कोरोना में 2 साल खराब इसलिए नैक की ग्रेडिंग बड़ा चैलेंज

दैनिक भास्कर से खास बातचीत में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (रविवि) के कुलपति डॉ. केएल वर्मा ने बताया समय-समय पर अलग-अलग कोर्स में छात्रों की दिलचस्पी बढ़ती और घटती है। एक दौर में इंजीनियरिंग की डिमांड ज्यादा थी। उस समय इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान ही अधिकांश छात्रों की जॉब लग जाती थी। लेकिन अब ट्रेंड पूरी तरह से बदल गया है। पिछले दो-तीन साल से देखा जा रहा है कि एमएससी फिजिक्स, एमएससी केमिस्ट्री, एमएससी मैथ्स समेत अन्य कोर्स में एडमिशन लेने के लिए जबर्दस्त मुकाबला है। कोर्स में जितनी सीटें हैं उनसे दोगुना ज्यादा आवेदन मिल रहे हैं। रविवि में स्थित बेसिक साइंस सेंटर में पंचवर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स है। इसमें बारहवीं पास छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। एक बार एडमिशन होने के बाद छात्र यहां से सीधे पीजी कर सकते हैं। कुलपति ने कहा कि नैक की ग्रेडिंग अब बड़ा चैलेंज है। दो साल कोरोना की वजह से खराब हुए। कोरोनाकाल में इंफ्रास्ट्रक्चर, पब्लिकेशन और फैकल्टी नियुक्त करने पर कोई खास काम नहीं हो पाया। अब इस पर ध्यान दिया जा रहा है।